

---

# Shri Ramakrishna Stotram

---

## श्रीरामकृष्णस्तोत्रम्

---

### Document Information



---

Text title : Shri Ramakrishna Stotram

File name : rAmakRRiShNastotram4.itx

Category : deities\_misc, gurudev, rAmakRiShNa, stotra

Location : doc\_deities\_misc

Author : Bhandarakara Tryambakasharmana

Proofread by : Aruna Narayanan

Description-comments : rAmakRiShNastotramALA, stavanAnjali

Acknowledge-Permission: Ramakrishna Shivananda Mission, Varasat

Latest update : June 12, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 12, 2023

*sanskritdocuments.org*

---



श्रीरामकृष्णस्तोत्रम्



लोकान् विलोक्य नवभौतिकभोगलग्नान्  
मग्नांश्च नास्तिकविचारपरम्परासु ।  
भक्त्या विहीनहृदयांश्च समुद्धिधीर्षुः  
श्रीरामकृष्ण भगवान् स्वयमाविरासीत् ॥ १ ॥


वैराग्यबोधभजनत्रयसङ्गमेन  
सच्चित्सुखार्थमनपायमुपायरूपम् ।  
सन्देशमौपनिषदं विशदीविधातुं  
श्रीरामकृष्णभगवान् स्वयमाविरासीत् ॥ २ ॥

कान्तासु विश्वजननीमवलोकयन्तं  
तुल्याश्मकाञ्चनमतिं सदसद्विवेकम् ।  
नित्यं करामलकसिद्धसमाधियोगं  
श्रीरामकृष्णचरणौ शरणं प्रपद्ये ॥ ३ ॥


विद्याविलासविदुषोऽपि जगत्यनेका-  
नेकान्तमद्भुतरसानकरोत् स्वकीयान् ।  
कृच्छ्रान्वितेषु करुणावरुणालयः सन्  
श्रीरामकृष्ण-भगवान् द्युतिमातनोतु ॥ ४ ॥

अद्वैतमार्गममलं चिरशान्तिबीजं  
संस्थापयन्नतुलयन्न परः परार्थः ।  
वन्दे तमन्धतमसावृतजीववृन्दे  
प्रज्वालितो जगति येन विवेकदीपः ॥ ५ ॥

इति साहित्याचार्य श्रीभण्डारकरोपाह्वेन त्र्यम्बकशर्मणा विरचितं  
“श्रीरामकृष्णस्तोत्रम्” सम्पूर्णम् ।

——  
*Shri Ramakrishna Stotram*

pdf was typeset on June 12, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

